

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)



M.A Yoga M.A.Y-12

एम0 ए0 योग

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

*Last Date of Submission: 15 May 2014***Course Title: Alternative Therapies****Course Code: M.Y 10****कोर्स शीर्षक: पूरक चिकित्सा पद्धतियां****कोर्स कोड:एम0वाई 10****Session 2013-14 (SUMMER)****Maximum Marks: 40****सत्र: 2013-14 ग्रीष्मकालीन****अधिकतम अंक: 40****Section 'A'**

Section 'A' contains 08 short answer type questions of 5 marks each. Learners are required to answers 4 questions only. Answers of short answer-type questions must be restricted to 250 words approximately.

भाग 'क' में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

1. पूरक चिकित्सा पद्धतियों की सीमार्यें।
2. एक्यूप्रेशर चिकित्सा का इतिहास।
3. एक्यूपंचर चिकित्सा का इतिहास।
4. चुम्बक चिकित्सा के उपकरण।
5. यज्ञ चिकित्सा के लाभ।
6. सायटिका में एक्यूप्रेशर के अनुप्रयोग ।
7. श्वसन संस्थान के रोगों में यज्ञ चिकित्सा के अनुप्रयोग।
8. मधुमेय रोग में एक्यूप्रेशर एवं चुम्बक चिकित्सा के अनुप्रयोग।

## Section 'B'

Section 'B' contains 04 long answer-type questions of 10 marks each. Learners are required to answer 02 questions only.

भाग 'ख' में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

1. पूरक चिकित्सा को समझाते हुए विभिन्न प्रकार की पूरक चिकित्सा पद्धतियों का वर्णन करें।
2. एक्यूप्रेसर का पाचन संस्थान के रोगों में क्या महत्व है। उचित चित्रों के माध्यम से समझाइए।
3. सिद्ध कीजिए कि पूरक चिकित्सा एक निर्दोष चिकित्सा पद्धति है।
4. यज्ञ चिकित्सा से आप क्या समझते हैं। यज्ञ के विविध प्रकारों की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।

